SAMPLE QUESTION PAPER - 1
Hindi B (085)
Class IX (2024-25)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 17 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** [7]

मृत्यु अर्थात् यमराज के घर का मार्ग सचमुच बड़ा भयावना था। नचिकेता ने देखा कि अपने-अपने कर्मों के कारण लोग मृत्यु से किस तरह घबराते हैं। हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं से लोगों का मन इतना भयभीत है कि सारे मार्ग में हाहाकार मचा हुआ है। कोई अपने पुत्र के लिए रो रहा है तो किसी को पत्नी के वियोग का दुःख है। परन्तु नचिकेता को तो सचमुच अपूर्व आनन्द मिल रहा था। प्रसन्नता और उत्साह के साथ उसने मार्ग की सारी कठिनाइयों का अन्त कर दिया। पिता की आज्ञा के पालन करने में उसे जो शान्ति मिल रही थी, वह भूलोक के मायाग्रस्त जीवन में कहीं नहीं थी। निर्भीक नचिकेता जिस समय मृत्यु के द्वार पर पहुँचा, उस समय संयोग से यमराज कहीं बाहर गए हुए थे। अतः द्वारपालों ने उसे भीतर घुसने की अनुमति नहीं दी। विवश होकर उसे बाहर एक वृक्ष के नीचे सुन्दर चबूतरे पर बैठकर यम की प्रतीक्षा करनी पड़ी।

1. लोगों का मन भयभीत क्यों है? (1)
   (क) मृत्यु के भय के कारण
   (ख) पुत्र या पत्नी वियोग के कारण
   (ग) यमराज के डर के कारण
   (घ) हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण
2. वृक्ष के नीचे नचिकेता को किसकी प्रतीक्षा करनी पड़ी? (1)
   (क) यमराज की
   (ख) पिता की

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) अन्य लोगों की

(घ) द्वारपालों की

3. भूलोक का समानार्थी शब्द बताइए। (1)

(क) स्वर्ग लोक

(ख) पृथ्वी लोक

(ग) नर्क लोक

(घ) यम लोक

4. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण किस दशा में देखा? (2)

5. यमराज के निवास की ओर जाते हुए नचिकेता आनंद का अनुभव क्यों कर रहे थे? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

सड़क मार्ग से हम आगे बढ़े और सरयू पुल पर से बस्ती जिले की सीमा में प्रवेश किया। हमारा पहला पड़ाव कुशीनगर था मगर हम कुछ देर मगहर में रुके जो कबीर की निर्वाण भूमि है मगर लोगों की फिरकापरस्ती ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया है और उन्हें मंदिर और मकबरे में बाँट दिया है। मठ के महंत ने हमारे भोजन की व्यवस्था की और आस-पास के स्कूल और कॉलेज की लड़कियों से मुलाकात भी कराई। उनसे बातचीत कर के हमने जाना कि अब स्थितियाँ बदल गई हैं अब लड़कियों की पढ़ाई और नौकरी पर ध्यान दिया जाता है मगर उनमें सामाजिकता का लोप सा हो गया है अब ब्याह और मरनी-हरनी में एका नजर नहीं आता। गीतों की बात चली तो वहाँ मौजूद पचास-साठ लड़कियों में से किसी को भी लोकगीत याद नहीं थे।

वहाँ से हम कुशीनगर पहुँचे। रात घिरने लगी थी मगर हम पंडरी गाँव के लोगों से मिले। कुशीनगर से लगभग बीस किलोमीटर होने पर भी यहाँ विकास का एक कण भी नहीं पहुँचा था मगर यहाँ के युवा सजग हैं, वे स्वप्रयास से स्कूल भी चलाते हैं। रात को हम बौद्ध मठ में ठहरे। यह मठ किसी शानदार विश्रामगृह से कम नहीं था। सुबह हम केसरिया गाँव गए। सामाजिक और पारिवारिक विघटन के इस दौर में एकमात्र संयुक्त परिवार वहाँ मिला। हमने उनसे बात की। उस परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला के पास तीज-त्योहार, गीत-गवनई की अनुपम थाती थी मगर उनसे सीखने वाला कोई नहीं था। नई पीढ़ी लोक संस्कृति से विरत थी।

1. कबीर की निर्वाण भूमि कौन-सी है? (1)

(क) बस्ती

(ख) कुशीनगर

(ग) मगहर

(घ) पंडरी

2. कबीर की किस मेहनत पर पानी फिर गया था? (1)

(क) सांप्रदायिक भेदभाव से ऊपर उठाने की मेहनत

(ख) सामाजिक और पारिवारिक विघटन के बचाने की मेहनत

(ग) लोकगीत याद कराने की मेहनत

(घ) तीज-त्योहार एक साथ मनाने की मेहनत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. वर्तमान में मगहर की स्थितियों में क्या बदलाव आ चुका है? (1)

(क) ब्याह और मरनी-हरनी में एका नजर नहीं आता

(ख) सामाजिकता का लोप सा हो गया है

(ग) अब लड़कियों की पढ़ाई और नौकरी पर ध्यान दिया जाता है

(घ) उपरोक्त सभी

4. लेखक ने पंडरी गाँव की क्या विशेषता बताई? (2)

5. केसरिया गाँव में मिले एकमात्र संयुक्त परिवार के बारे में लेखक को क्या पता चला? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए** **[2]**

(i) शब्द किसे कहते हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट करिए ? **[1]**

(ii) योगरूढ़ शब्द को स्पष्ट कीजिए। **[1]**

(iii) अर्थ के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं? **[1]**

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कर उन्हें मानक रूप में लिखिए - **[2]**

i. निदनीय

ii. उन्गली

iii. आन्गन

5. **निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-** **[4]**

निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. अनुभूति

ii. बेहया

iii. निर्वाह

निम्नलिखित मूल शब्दों में प्रत्यय जोड़कर बनने वाले शब्द लिखिए- (किन्ही दो) (2)

i. खेल + ना

ii. लोहा + आर

iii. बूढ़ा + आपा

6. निर्देशानुसार **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[3]**

i. महा + उत्सव (संधि कीजिए)

ii. सु + आगत (संधि कीजिए)

iii. प्रत्येक (संधि-विच्छेद कीजिए)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iv. अत्यधिक (संधि-विच्छेद कीजिए)

7. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो में उचित विराम-चिह्न लगाकर लिखिए-** **[2]**

i. राम ने कहा मैं दिल्ली जा रहा हूँ

ii. भावुक प्रकृति प्रेमी रामन समुद्र की नील वर्णीय आभा का रहस्य जानना चाहते थे

iii. मैंने छोटी-सी पूजा अर्चना की और आनंद के इस क्षण में अपने माता-पिता को याद किया

8. निर्देशानुसार **किन्हीं तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। **[3]**

i. चोरी मत करना। (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)

ii. वाह! प्रसन्नता की बात है! (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद)

iii. व्यायाम करने से सुस्ती दूर हो जाती है। (संकेतवाचक वाक्य)

iv. कल हम आगरा जाएँगे। (संदेहवाचक वाक्य)

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

उपनेता प्रेमचंद, जो अग्रिम दल का नेतृत्व कर रहे थे, 26 मार्च को पैरिच लौट आए। उन्होंने हमारी पहली बड़ी बाधा खंभु हिमपात की स्थिति से हमें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उनके दल ने कैंप-एक (6000 मी), जो हिमपात के ठीक ऊपर है, वहाँ तक का रास्ता साफ कर दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुल बनाकर, रस्सियाँ बाँधकर तथा झंडियों से रास्ता चिह्नित कर, सभी बड़ी कठिनाइयों का जायजा ले लिया गया है। उन्होंने इस पर भी ध्यान दिलाया कि ग्लेशियर बर्फ की नदी है और बर्फ का गिरना अभी जारी है। हिमपात में अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण अभी तक के किए गए सभी काम व्यर्थ हो सकते हैं और हमें रास्ता खोलने का काम दोबारा करना पड़ सकता है।

(i) लेखिका को खुंभु हिमपात के बारे में जानकारी किसने दी?

क) शिवकुमार ने   ख) बहादुर सिंह ने

ग) तेनजिंग ने   घ) प्रेमचंद ने

(ii) लेखिका तथा उसके साथियों की एवरेस्ट पर पहुँचने की पहली बड़ी बाधा कौन-सी थी?

क) पर्वत पर न चढ़ पाना   ख) खुंभु हिमपात की स्थिति

ग) कठिन रास्तों पर चलना   घ) कैंप की ओर जाना

(iii) कैंप-एक हिमपात से कितनी ऊँचाई पर था?

क) 5000 मी   ख) 7000 मी

ग) 6000 मी   घ) 3000 मी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) कैंप-एक तक रास्ता साफ करने के लिए क्या-क्या किया गया?

क) झंडियों से रास्ता चिह्नित कर दिया गया
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) रस्सियाँ बाँध दी गई
घ) पुल बनाया गया

(v) प्रेमचंद के अनुसार अब तक किए गए प्रयास व्यर्थ क्यों हो सकते हैं?

क) ग्लेशियर न बनने के कारण
ख) कठिनाइयों का जायजा न लेने के कारण
ग) बेस कैंप से सही जानकारी न मिलने के कारण
घ) हिमपात के अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाजा कैसे लगाया? **[2]**

(ii) लेखक के अनुसार अतिथि का देवत्व कब समाप्त हो जाता है? **[2]**

(iii) रामन् को मिलने वाले पुरस्कारों नें भारतीय-चेतना को जाग्रत किया। ऐसा क्यों कहा गया है? **[2]**

(iv) यंग इण्डिया और नवजीवन नामक साप्ताहिक पत्रों से सम्बन्धित सारी व्यवस्था का कामकाज लेखक के कंधों पर क्यों आ पड़ा? शुक्र तारे के समान पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

"रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय।
सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।।"

(i) व्यक्ति को अपने मन के दुःख को कहाँ तक सीमित रखना चाहिए?

क) अपने तक ही
ख) अपने घनिष्ठ मित्र तक
ग) अपने गुरु तक
घ) अपने माता-पिता तक

(ii) हमें अपना दुःख दूसरों के सामने व्यक्त क्यों नहीं करना चाहिए?

क) क्योंकि दूसरे हमारी सहायता करते हैं
ख) क्योंकि लोग मजाक उड़ाते हैं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) क्योंकि दूसरे स्वयं दुःखी हैं　　घ) क्योंकि दुःख स्वयं को भोगना है

(iii) व्यक्ति क्या सोचकर अपनी व्यथा दूसरों को सुनाता है?

क) उसका दुःख बढ़ जाएगा　　ख) उसका दुःख कम हो जाएगा

ग) लोग उसे सूख प्रदान करेंगे　　घ) लोग उसकी सहायता करेंगे

(iv) लोग आपस में क्या बाँटना पसंद नहीं करते?

क) संपत्ति को　　ख) इनमें से कोई नहीं

ग) दुख को　　घ) सुख को

(v) **सुनि अठिलैहैं लोग सब** पंक्ति से क्या आशय है?

क) इनमें से कोई नहीं　　ख) लोग दूसरों के दुख को सुनकर दुखी होते हैं

ग) लोग दूसरों के दुख को सुनकर केवल मजाक ही उड़ाते हैं　　घ) सभी लोग संसार में दुखी हैं

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) कवि रैदास ने प्रभु को निडर क्यों कहा है? **[2]**

(ii) सभी कुछ गीत, अगीत कुछ नहीं होता। कुछ अगीत भी होता है क्या? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(iii) पथ पर थम जाने से हम किस लाभ से वंचित रह जाते है? कविता अग्निपथ के आधार पर उत्तर दीजिए। **[2]**

(iv) व्याख्या कीजिए- **[2]**
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ
जूही की डाल-से खुशबुदार हाथ

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

(i) भोजन के संबंध में लेखिका को अन्य पालतू जानवरों और गिल्लू में क्या अंतर नज़र आया? **[4]**

(ii) लेखक **धर्मवीर भारती** ने अपने पिता से किया हुआ वायदा किस तरह निभाया? इससे आपको क्या सीख मिलती है? **[4]**

(iii) **कल्लू कुम्हार की उनाकोटी** पाठ के संदर्भ में उनाकोटी में स्थित गंगावतरण की कथा को अपने शब्दों में लिखिए? **[4]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड घ - रचनात्मक लेखन

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

(i) **कमरतोड़ महँगाई** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

(ii) **मैं और मेरा देश** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- एक-दूसरे के पूरक
- देश में ही व्यक्तित्व का विकास
- देश के प्रति कर्तव्य

(iii) **सत्यमेव जयते** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- भाव
- झूठ के पाँव नहीं होते
- सत्य ही परम धर्म

15. आप लक्षिता/लक्ष्य हैं। आप उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाली/वाले हैं। इस बात से आपकी माँ भावनात्मक रूप से बेहद परेशान हैं। उनको समझाते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में बताते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

दीपावली की सफाई के दौरान आपको कोई ऐसी वस्तु मिल गई जिससे आप भावुक हो उठे। उसकी और उससे जुड़ी स्मृतियों की बातें साझा करते हुए मित्र को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

16. दिए गए चित्र को देखकर लगभग 100 शब्दों में वर्णन कीजिए। **[5]**

17. अध्यापक और अनुपस्थित रहनेवाले छात्र राहुल के बीच संवाद लिखिए। **[5]**

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अपने विद्यालय के नाट्य उत्सव के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करने के लिए एक प्रतिष्ठित नाटककार को आमंत्रित करने आप उनसे मिलते हैं। आप दोनों के बीच हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

SAMPLE QUESTION PAPER - 1

Hindi B (085)

Class IX (2024-25)

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (घ) हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण लोगों का मन भयभीत है।
   2. (क) वृक्ष के नीचे नचिकेता को यमराज की प्रतीक्षा करनी पड़ी क्योंकि वे बाहर गए हुए थे।
   3. (ख) पृथ्वी लोक
   4. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण मृत्यु से घबराते हुए देखा।
   5. नचिकेता अपने पिता की आज्ञा का पालन कर रहे थे। इसलिए यमराज के निवास की ओर जाते हुए वे आनंद का अनुभव कर रहे थे।
2. 1. (ग) कबीर की निर्वाण भूमि कुशीनगर के पास स्थित मगहर नामक स्थान है जहाँ के विषय में मान्यता थी कि वहाँ मरना अशुभ है| इसी मान्यता को गलत सिद्ध करने के लिए कबीरदास जी अपने अंतिम समय में काशी से मगहर आ गए थे।
   2. (क) लोगों को सांप्रदायिक भेदभाव से ऊपर उठाने के कबीर के प्रयास पर पानी फिर गया था और उनकी मृत्यु के बाद वे हिन्दू- मुस्लिम में बंट गए।
   3. (घ) वर्तमान में वहाँ की स्थितियाँ बदल गई हैं, लड़कियों की पढ़ाई और नौकरी पर ध्यान दिया जाने लगा है लेकिन सामाजिक एकता का लोप होने लगा है, अब ब्याह और मरनी-हरनी में भी पहले जैसी एकता नजर नहीं आती।
   4. कुशीनगर के अत्यंत निकट होने के बावजूद पंडरी गाँव में कोई विकास नहीं हुआ है लेकिन वहाँ के युवा सजग हैं और वे स्वप्रयास से स्कूल भी चलाते हैं अर्थात अगर वर्तमान सजग है तो भविष्य बेहतर अवश्य होगा।
   5. लेखक को पता चला कि उस संयुक्त परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला के पास तीज-त्योहार, गीत-गवनई के अनुपम धरोहर थी लेकिन नई पीढ़ी इसे सीखने में रुचि नहीं रखती थी अथवा उन रीति -रिवाजों और परम्पराओं का निर्वाह करने वाला कोई नहीं था।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए

(i) शब्द भाषा की स्वतंत्र व अर्थवान इकाई है जो स्वतंत्र रूप में प्रयुक्त होती है, जब यह वाक्य के बाहर होता है तो यह शब्द कहलाता है । जैसे- लड़का, कमल ।

(ii) योगरूढ़ शब्द ऐसे शब्द होते हैं, जिनमें रूढ़ तथा यौगिक दोनों शब्दों की विशेषताएँ होती हैं। इससे तात्पर्य यह है कि यौगिक शब्दों के समान इनके सार्थक खंड (टुकड़े) किए जा सकते हैं तथा रूढ़ शब्दों के समान इनका एक विशेष अर्थ होता है | हिमालय, पीतांबर, नीलकंठ, दशानन, लंबोदर आदि।

(iii) भाषा के अर्थ स्तर पर शब्द लघुतम स्वतंत्र इकाई है। प्रत्येक शब्द का अपना एक अर्थ होता है, जिसे मुख्यार्थ कहते है। अर्थ के आधार पर शब्द के चार भेद हैं-

i. एकार्थी शब्द
ii. विलोम शब्द
iii. अनेकार्थी शब्द

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iv. पर्यायवाची शब्द

4. i. निंदनीय
   ii. उँगली
   iii. आँगन
5. उपसर्ग
   i. अनुभूति = 'अनु' उपसर्ग और 'भूति' मूल शब्द है |
   ii. बेहया = 'बे' उपसर्ग और 'हया' मूल शब्द है |
   iii. निर्वाह =' निर्' उपसर्ग और 'वाह' मूल शब्द है |
   प्रत्यय
   i. खेल + ना = खेलना
   ii. लोहा + आर = लुहार
   iii. बूढ़ा + आपा = बुढ़ापा
6. i. महोत्सव
   ii. स्वागत
   iii. प्रति + एक
   iv. अति + अधिक
7. i. राम ने कहा, "मैं दिल्ली जा रहा हूँ।"
   ii. भावुक प्रकृति प्रेमी रामन समुद्र की नील-वर्णीय आभा का रहस्य जानना चाहते थे।
   iii. मैंने छोटी-सी पूजा अर्चना की और आनन्द के इस क्षण में अपने माता-पिता को याद किया।
8. i. निषेधवाचक वाक्य अथवा आज्ञावाचक वाक्य
   ii. विस्मयवाचक वाक्य
   iii. यदि व्यायाम करोगे तो सुस्ती दूर हो जाएगी।
   iv. शायद कल हम आगरा जाएँ। अथवा हो सकता है कि कल हम आगरा जाएँ ।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

उपनेता प्रेमचंद, जो अग्रिम दल का नेतृत्व कर रहे थे, 26 मार्च को पैरिच लौट आए। उन्होंने हमारी पहली बड़ी बाधा खंभु हिमपात की स्थिति से हमें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उनके दल ने कैंप-एक (6000 मी), जो हिमपात के ठीक ऊपर है, वहाँ तक का रास्ता साफ कर दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुल बनाकर, रस्सियाँ बाँधकर तथा झंडियों से रास्ता चिह्नित कर, सभी बड़ी कठिनाइयों का जायजा ले लिया गया है। उन्होंने इस पर भी ध्यान दिलाया कि ग्लेशियर बर्फ की नदी है और बर्फ का गिरना अभी जारी है। हिमपात में अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण अभी तक के किए गए सभी काम व्यर्थ हो सकते हैं और हमें रास्ता खोलने का काम दोबारा करना पड़ सकता है।

(i) **(घ)** प्रेमचंद ने

व्याख्या:

प्रेमचंद ने

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(ख)** खुंभु हिमपात की स्थिति

व्याख्या:

खुंभु हिमपात की स्थिति

(iii)**(ग)** 6000 मी

व्याख्या:

6000 मी

(iv)**(ख)** सभी विकल्प सही हैं

व्याख्या:

सभी विकल्प सही हैं

(v) **(घ)** हिमपात के अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण

व्याख्या:

हिमपात के अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाजा अपने पड़ोस में पुत्र की मृत्यु से दुःखी एक संभ्रांत महिला की बात सोचकर लगाया।

(ii) लेखक का मानना है कि अतिथि देवता होता है, पर यह देवत्व उस समय समाप्त हो जाता है जब अतिथि एक दिन से ज्यादा किसी के यहाँ ठहर कर मेहमान नवाजी का आनंद उठाने लगता है। उसका ऐसा करना मेज़बान पर बोझ बनने लगता है।

(iii)रामन् के अंदर अपने राष्ट्र के प्रति बहुत चेतना थी एवं वैज्ञानिक दृष्टि थी। जब भारत अंग्रेजों के अधीन था तब रामन् को अधिकतर पुरस्कार मिले। उस समय में यहाँ पर वैज्ञानिक चेतना का ख़ासा अभाव था। रामन् के वैज्ञानिक अनुसंधान के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक नई पहचान और सम्मान मिला। रामन् को मिलने वाले पुरस्कारों से भारत की न सिर्फ वैज्ञानिक चेतना जाग्रत हुई बल्कि भारत का आत्मविश्वास भी बढ़ा और इसके कारण कई भारतीय युवा विज्ञान की पढ़ाई एवं शोध कार्य के प्रति आकर्षित हुए। इस प्रकार रामन् नवयुवकों के प्रेरणास्रोत बन गए।

(iv)'यंग इण्डिया' और 'नवजीवन' दोनों साप्ताहिक-पत्रों का काम बढ़ने पर गाँधी जी व महादेव भाई का अधिकांश समय देश भ्रमण में बीतने लगा, जिसकी वजह से सम्पादन सहित दोनों साप्ताहिकों की और छापाखाने की सारी व्यवस्था लेखक के जिम्मे आ पड़ी।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

"रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय।
सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।।"

(i) **(क)** अपने तक ही

व्याख्या:

अपने तक ही

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(ख)** क्योंकि लोग मजाक उड़ाते हैं

व्याख्या:

क्योंकि लोग मजाक उड़ाते हैं

(iii)**(ख)** उसका दुःख कम हो जाएगा

व्याख्या:

उसका दुःख कम हो जाएगा

(iv)**(ग)** दुख को

व्याख्या:

दुख को

(v) **(ग)** लोग दूसरों के दुख को सुनकर केवल मजाक ही उड़ाते हैं

व्याख्या:

लोग दूसरों के दुख को सुनकर केवल मजाक ही उड़ाते हैं

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) कवि ने प्रभु को निडर कहा है क्योंकि वह दीन, दयालु, गरीब निवाजु है। वे समदर्शी हैं। वे नीची जाति वालों को भी अपनाकर उन्हें समाज में ऊँचा स्थान देते हैं। वह असंभव को भी संभव कर सकते हैं।

(ii) मनुष्य मन के भावों को प्रकट करने के लिए गीत और अगीत दोनों का प्रयोग करता है। गीत और अगीत में बहुत फर्क होता है। जो मन में गुनगुनाया जाता है वो अगीत होता है। जब इसे स्वर और शब्द मिल जाते हैं तो ये गीत बन जाता है। अगीत को व्यक्त करना मुश्किल होता है। यह मन में उमड़ घुमड़ कर रह जाती है। जबकि गीत सभी को प्रत्यक्ष रूप से सुनाई देता है।

(iii)यह जीवन पथ अग्निपथ के समान संघर्षों, कष्टों, बाधाओं से भरा हुआ है। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हमें निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। जो इस पथ की बाधाओं से घबराकर बीच में ही थम जाते हैं वे अपना लक्ष्य (मंजिल) प्राप्त नहीं कर पाते।

(iv)कवि ने कहा है कि अगरबत्ती बनाने वालों के हाथ तरह-तरह के होते हैं। किसी के हाथों में उभरी हुई नसें होती हैं। किसी के हाथों के नाखून घिसे होते हैं। कुछ कम उम्र के बच्चे भी ये काम करते हैं जिनके हाथ पीपल के नए पत्ते समान होते हैं। कुछ नवयुवतियाँ भी अपने कोमल हाथों से अगरबत्तियाँ बनाती हैं जिनके हाथ जूही की डाल के समान होते हैं। किसी के हाथ जख्म से फटे होते हैं। कुछ कारीगरों के हाथ गंदे होते हैं।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) लेखिका ने अनेक पशु-पक्षी पाल रखे थे, जिनसे उन्हें बहुत लगाव था परंतु भोजन के संबंध में लेखिका को अन्य पालतू जानवरों और गिल्लू में यह अंतर नज़र आया कि उनमें से किसी जानवर ने लेखिका के साथ उसकी थाली में खाने की हिम्मत नहीं की परन्तु गिल्लू खाने के समय मेज़ पर आ जाता और लेखिका की थाली में बैठकर खाने का प्रयास करता।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) लेखक के पिता ने उससे कहा था कि वायदा करो कि पाठ्यक्रम की पुस्तकें भी इतने ध्यान से पढ़ोगे, माँ की चिंता मिटाओगे। लेखक ने जी-तोड़ परिश्रम किया इसलिए तीसरी और चौथी कक्षा में अच्छे अंक आए, परंतु पाँचवीं कक्षा में वह फर्स्ट आ गया। यह देख उसकी माँ ने उसे गले लगा लिया। इस तरह लेखक ने अपने पिता से किया हुआ वायदा निभाया।

इससे हमें निम्नलिखित सीख मिलती है-

- मन लगाकर पढ़ाई करना चाहिए।
- माता-पिता का कहना मानना चाहिए।
- हमें दूसरों से किया हुआ वायदा निभाना चाहिए।

(iii) पौराणिक कथा के अनुसार ऋषि भागीरथ कठोर तपस्या के बाद गंगा माँ को धरती पर लेकर आए थे। गंगा अवतरण के धक्के से कहीं पृथ्वी धंसकर पाताल लोक में न चली जाए, इसके लिए ऋषि भगीरथ ने भगवान् शिव जी से प्रार्थना करी कि वह गंगा जी को अपनी जटाओं में ले लें और उसके बाद गंगा जी को धीरे-धीरे धरती पर प्रवाहित करें। भगवान् शिव जी का चेहरा पूरी चट्टान पर बना हुआ है और उनकी जटाएँ दो पहाड़ों पर फैली हुई है। भारत में यह भगवान् शिव जी की सबसे बड़ी आधार-मूर्ति है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) वर्तमान समय में निम्न-मध्यम वर्ग महँगाई की समस्या से त्रस्त है। महँगाई भी ऐसी, जो रुकने का नाम ही नहीं लेती, बढ़ती ही चली जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार का महँगाई पर कोई नियन्त्रण रह ही नहीं गया है। महँगाई बढ़ने के कई कारण हैं। उत्पादन में कमी तथा माँग में वृद्धि होना महँगाई का प्रमुख कारण है। कभी-कभी सूखा, बाढ़ तथा अतिवृष्टि जैसे प्राकृतिक प्रकोप भी उत्पादन को प्रभावित करते हैं। वस्तुओं की जमाखोरी भी महँगाई बढ़ने का प्रमुख कारण है। जमाखोरी से शुरू होती है कालाबाजारी, दोषपूर्ण वितरण प्रणाली तथा अन्धाधुन्ध मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति। सरकारी अंकुश का अप्रभावी होना महँगाई तथा जमाखोरी को बढ़ावा देता है। सरकार अखबारों में तो महँगाई कम करने की बात करती है। पर वह भी महँगाई बढ़ाने में किसी से कम नहीं है। सरकारी उपक्रम भी अपने उत्पादों के दाम बढ़ाते रहते हैं। इस जानलेवा महँगाई ने आम नागरिकों की कमर तोड़कर रख दी है। अब उसे दो जून की रोटी जुटाना तक कठिन हो गया है। पौष्टिक आहार का मिलना तो और भी कठिन हो गया है। महँगाई बढ़ने का एक कारण यह भी है कि हमारी आवश्यकताएँ तेजी से बढ़ती चली जा रही हैं, अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हम किसी भी दाम पर वस्तु खरीद लेते हैं। इससे जमाखोरी और महँगाई को बढ़ावा मिलता है। महँगाई को सामान्य व्यक्ति की आय के सन्दर्भ में देखा जाना चाहिए। महँगाई के लिए अन्धाधुन्ध बढ़ती जनसंख्या भी उत्तरदायी है। इस पर भी नियन्त्रण करना होगा। महँगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। 80 से 100 रुपए किलो की दाल आम आदमी खरीदकर भला कैसे खा सकता है। सरकार को खाद्य महँगाई पर प्रभावी अंकुश लगाना परमावश्यक है जिससे आम आदमी को राहत मिल सके।

(ii) मैं और मेरा देश, एक-दूसरे के पूरक हैं। देश मुझे एक सुरक्षित माहौल प्रदान करता है, जहाँ मैं स्वतंत्र रूप से सोच सकता हूँ, सीख सकता हूँ और बढ़ सकता हूँ। बदले में, मैं अपने देश के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

विकास में योगदान देने का प्रयास करता हूँ।

मेरा मानना है कि व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके देश के माहौल में ही विकसित होता है। देश की संस्कृति, परंपराएं और मूल्य हमारे व्यक्तित्व को गढ़ते हैं। इसलिए, हमें अपने देश की संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करना चाहिए।

एक नागरिक के रूप में, देश के प्रति मेरे कुछ कर्तव्य हैं। मुझे अपने देश के कानूनों का पालन करना चाहिए, देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में योगदान देना चाहिए, और अपने देश के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूँ और हमेशा इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(iii)'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया यह वाक्य भारत का राष्ट्रीय वाक्य है। इस वाक्य का अर्थ है- 'सत्य ही जीतता है।' सत्य की जीत और झूठ की हार की कहानियाँ सब लोग बचपन से सुनते-सुनाते आ रहे हैं, फिर भी बहुत कम लोग सत्य के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाते हैं। सत्य कटु होता है, अप्रिय होता है, अरुचिकर होता है और सबसे बड़ी बात सत्य होते हुए भी इसे अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ता है परन्तु अंत में सत्य ही जीतता है। झूठ कभी स्थायी रूप से अपना प्रभाव बनाए नहीं रख सकता, क्योंकि उसके पाँव नहीं होते, वह हमेशा दूसरों के सहारे चलता है। सत्य हमारे चारों ओर हैं, जिन्हें हम देखते हैं और सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है। महाभारत में सत्य को स्वर्ग का सोपान बताया गया है-सत्यं स्वर्गस्य सोपानम्। सत्य की अलौकिक महिमा के कारण ही पंडित मदन मोहन मालवीय ने राष्ट्रीय स्तर पर 'सत्यमेव जयते' मन्त्र का प्रचार किया और इसे भारत का राष्ट्रीय वाक्य घोषित किया गया।

15. P-276

गोविन्द नगर

नई दिल्ली

दिनांक:- 24 अगस्त 20XX

प्रिय माँ,

प्रणाम। मैं आपकी चिंता समझता हूँ, लेकिन आपके साथी रूप से मैं आपके प्यार और समर्थन के लिए हमेशा उपस्थित रहूँगा। मेरे विदेश जाने के सपने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और मैं आपके प्यार और आशीर्वाद के साथ उन्हें पूरा करने का प्रयास करूँगा। कृपया चिंता न करें, मैं आपके सपनों को पूरा करके ही वापस आऊँगा। आपका संघर्ष और समर्थन मेरी मातृभावनाओं को गर्वित करते हैं।

आपके प्यार और आशीर्वाद की प्रतीक्षा में,

लक्षिता/लक्ष्य

अथवा

पता -

दिनांक -

प्रिय पंकज,

आशा है तुम ठीक होगे। मैं तुम्हें यह पत्र दीपावली की सफाई के दौरान हुई एक अद्‌भुत घटना के बारे में बताने के लिए लिख रहा हूँ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जब मैं पुराने सामानों को छाँट रहा था, तो मुझे लकड़ी का एक पुराना खिलौना मिला। यह एक छोटा सा घोड़ा था, जिसे मैंने बचपन में बहुत प्यार किया था। उसे देखते ही मेरे बचपन की सारी यादें मेरे सामने घूमने लगीं।

मुझे याद है कि कैसे मैं इस घोड़े के साथ घंटों खेलता था। मैं उसे अपने साथ घुमाता था, उसे दौड़ाता था, और उसके साथ कहानियाँ बनाता था। यह मेरा सबसे अच्छा दोस्त था।

यह खिलौना मेरे लिए सिर्फ एक वस्तु नहीं है, बल्कि यह मेरे बचपन की खुशियों और निर्दोषता का प्रतीक है। इसे देखकर मुझे अपने दादा जी की भी याद आई, जिन्होंने मुझे यह खिलौना दिया था।

हालाँकि यह खिलौना अब थोड़ा टूट गया है और उसका रंग भी फीका पड़ गया है, लेकिन मेरे लिए यह अनमोल है। मैंने उसे संभालकर रख लिया है और इसे हमेशा अपने पास रखूँगा।

तुम्हारे साथ भी कभी ऐसा हुआ है कि तुम्हें कोई ऐसी वस्तु मिली हो जिसने तुम्हें भावुक कर दिया हो?

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना। तुम्हारे पत्र का इंतजार रहेगा।

तुम्हारा मित्र,

पवन

16. प्रस्तुत चित्र मंदिर का है। मंदिर एक ऐसा स्थान है, जहाँ व्यक्ति श्रद्धाभाव से जाता है और अपने इष्टदेव की पूजा करके मानसिक शांति पाता है। अतः प्रातः काल सभी लोग मंदिर जाते हैं। इस चित्र में एक महिला हाथ में पूजा की थाली लिए मंदिर जा रही है। हिंदू धर्म में वृक्ष की पूजा का विधान है इसलिए प्रत्येक मंदिर के बाहर पीपल या केला का पेड़ एवं तुलसी का पौधा होता है। इस चित्र में भी एक वृक्ष है जिसके सामने खड़े होकर एक महिला पूजा कर रही है। एक बच्चा पूजा के लिए जाती हुई महिला से भिक्षा माँग रहा है उसके एक हाथ में पात्र है और उसने दूसरा हाथ भिक्षा के लिए फैला रखा है। सीढ़ियों के पास एक बच्चा बैठा है, जो कि अपाहिज है। वह मंदिर में आने वाले भक्तों से दया की भीख चाहता है। जहाँ मन को शांति भी मिलती हैं।

17. **राहुल** - (कक्षा के बाहर से) गुरु जी! क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?

अध्यापक - हाँ-हाँ, आओ। इतनी देर से क्यों आए ?

राहुल - (कक्षा में आकर) प्रणाम गुरु जी!

अध्यापक - तुम काफी दिनों के बाद विद्यालय आए हो।

राहुल - गुरु जी, क्षमा करें। मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा है। आज भी मैं डॉक्टर से दवा लेकर आ रहा हूँ। इसलिए देर हो गई।

अध्यापक - अच्छा-अच्छा, बैठो। बेटा, तुम्हें क्या हो गया था?

राहुल - गुरु जी, मुझे पिछले कई दिनों से बुखार आ रहा है और ठीक होने का नाम नहीं ले रहा।

अध्यापक - बेटा, बुखार होने पर रक्त की जाँच अवश्य करा लेनी चाहिए, क्योंकि इन दिनों शहर में मलेरिया ने जोर मारा हुआ है ।

राहुल- ठीक है गुरु जी, मैं आज ही अपने डॉक्टर से बात करके खून की जाँच करा लूँगा।

अथवा

मैं : नमस्कार सर, क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?

रविनारायण : हाँ बेटे, अंदर आओ।

मैं : धन्यवाद सर।

रविनारायण : बैठो बेटा, बताओ कैसे आना हुआ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मैं : श्रीमान, हमारे विद्यालय में अगले सप्ताह शनिवार को नाट्य उत्सव समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुझे आपकी सहायता की आवश्यकता है।
रविनारायण : बोलो बेटे, मैं किस प्रकार तुम्हारी सहायता कर सकता हूँ?
मैं : श्रीमान, हमारे प्रधानाचार्य महोदय और हम सभी विद्यार्थी चाहते हैं कि इस अवसर पर उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता हेतु आप विद्यालय में पधारें।
रविनारायण : ठीक है बेटा, मैं अवश्य आऊँगा। यह बताओ कि तुम सब विद्यार्थी इस अवसर पर विद्यालय में कौन से नाटक का मंचन कर रहे हो?
मैं : श्रीमान, हमारे विद्यालय में महाकवि कालिदास द्वारा रचित नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम का मंचन किया जा रहा है।
रविनारायण : अरे वाह ! ये तो बहुत सुंदर नाटक है।
मैं : जी श्रीमान, तो आप इस अवसर पर पधार रहे हैं?
रविनारायण : जी बेटा, मैं जरुर आऊँगा।
मैं : ठीक है श्रीमान, अब मुझे आज्ञा दीजिए, नमस्कार श्रीमान।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in